हिंदी वसंत

Lession - 8
Class - 7

कविता से

प्र०1
उ० दूसरी एकरूपता - चिलम सूरज-सी
चौथी एकरूपता - अँगीठी पलाश के फूलों-सी
पाँचवी एकरूपता - अंधकार मेड़ों के गल्ले-सा

प्र०2
उ०क शाम करीब 6 बजे शुरू हुई।

उ० ख तब से लेकर सूरज डूबने में करीब एक घंटे का समय लगा। उस दौरान सूरज धीरे-धीरे गायब हुआ, एकदम से नहीं

उ०ग इस बीच आसमान का रंग लाल और कुछ देर बाद पीले रंग में परिवर्तित हो गया और फिर कुछ देर बाद धीरे-धीरे सूरज आसमान से गायब हो गया और उसके बाद चारों और अंधेरा छा गया। आसमान में तारों का साम्राज्य स्थापित हो जाता है।

प्र०3
उ० कबूतर :- लो भई, अपना खत ले लो, बहुत दूर से लाया हूँ।
कौआ :- सुनते हो, घर में मेहमान आने वाले है।
मैना :- कैसे हो?
तोता :- राम! राम! भाई।
चील :- अरे, वह देखो नीचे चमकता हुआ सा कुछ पड़ा है।
हंस :- मेरी तरह हमेशा शांत रहो।

हिंदी तरंग

Lesson - 8

Class - 7

कविता से

प्र01

उ0 दूसरी एकरूपता - चिलम सूरज-सी
चौथी एकरूपता - अंगीठी पलाश के फूलों-सी
पाँचवी एकरूपता - अंधकार भेड़ों के गल्ले-सा

प्र02

उ0क शाम करीब 6 बजे शुरू हुई।

उ0ख तब से लेकर सूरज डूबने में करीब एक घंटे का समय लगा। उस दौरान सूरज धीरे-धीरे गायब हुआ, एकदम से नहीं।

उ0ग इस बीच आसमान का रंग लाल और कुछ देर बाद पीले रंग में परिवर्तित हो गया और फिर कुछ देर बाद धीरे-धीरे सूरज आसमान से गायब हो गया और उसके बाद चारों और अंधेरा छा गया। आसमान में तारों का साम्राज्य स्थापित हो जाता है।

प्र03

उ0 कबूतर :- लो भई, अपना खत ले लो, बहुत दूर से लाया हूँ।
कौआ :- सुनते हो, घर में मेहमान आने वाले हैं।
मैना :- कैसे हो?
तोता :- राम! राम! भाई।
चील :- अरे, वह देखो नीचे चमकता हुआ सा कुछ पड़ा है।
हंस :- मेरी तरह हमेशा शांत रहो।

कविता से आगे — चित्रित

प्र० 1
उ० इस कविता को चित्रित करने के लिए हमें नीले, पीले, भूरे, लाल, सफेद, काले, सुनहरे, हरे, बैंगनी आदि अनेक रंगों की आवश्यकता पड़ेगी।

प्र० 2
उ० पक्षी - अपने-अपने घोंसले में लौट आते हैं।
खिलाड़ी - अपने अभ्यास या खेल को समाप्त कर आराम करते हैं।
फलवाले - अपना सामान जल्दी बेचकर घर लौटने का प्रयास करते हैं।
माँ - अपना काम निबटाकर घरवालों के घर आने की प्रतीक्षा करती है।
पेड़-पौधे - वे भी विश्राम करना चाहते हैं।
पिताजी - दफ्तर से घर की ओर लौटते हैं।
किसान - दिनभर परिश्रम कर अपने बैलों के साथ घर की ओर लौटता है।
बच्चे - गृहकार्य का अभ्यास करते हैं।

प्र० 3
उ० सर्वेश्वरदयाल जी की कविता में आपको संध्याकालीन वर्णन ज्यादा मिलेगा। यही सब आपको सुमित्रनंदन पंत जी की कविता में मिलेगा। दोनों में मुख्य अंतर यह है कि सर्वेश्वदयाल जी ने संध्याकालीन दृश्य को एक किसान के रूप में प्रस्तुत किया है वहीं सुमित्रानंदन पंत जी ने अपनी कविता में पक्षियों की आवाज को प्रधानता दी है। दोनों का उद्देश्य संध्याकाली न बेला का सुखद एहसास कराना है।